

संख्या 219 /VI-I/2008-2(15) 2007

प्रेषक,

एस0एस0वल्दिया,,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एव प्रान्तीय रक्षक दल,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून

दिनांक 25 जुलाई 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 में अवमुक्त की गई धनराशि को व्यय की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-339/दो-1655/08/2008-09 दिनांक 30 जून 2008 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 के आयोजनेत्तर पक्ष में रू0 15.12 लाख (रू0 पन्द्रह लाख बारह हजार मात्र) तथा आयोजनागत पक्ष में रू0 43.50 लाख (रू0 तैतालीस लाख पचास हजार मात्र) कुल धनराशि में रू0 58.62 लाख (रू0 अठावन लाख बासठ हजार मात्र) की धनराशि शासनदेश संख्या-131 /VI-I/2008-2(15) 2007 दिनांक 28 मई 2008 के द्वारा आपके निर्वतन पर रखी गयी धनराशि से श्री राज्यपाल महोदय व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

			आयोजनेत्तर (धनराशि हजार में)
क0स0	मानक मद	आय व्यय में प्राविधान	वर्तमान में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	4
1.	लेखाशीर्षक-2204-00-001-04-प्रादेशिक विकास दल तथा युवा कल्याण 16-व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	12	12
2.	ख 05-युवा कल्याण परिषद् को अनुदान 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	1500	1500
	योग-		1512

आयोजनागत लेखाशीर्षक- 2204-00-001-04-प्रादेशिक विकास दल तथा युवा कल्याण

4.	42-अन्य व्यय	4350	4350
	योग-		4350
	महायोग-		5862

2. मितव्ययी मदों में आवटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए।

3. धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
4. धनराशि का एक मुश्त आहरण न करके आवश्यकतानुसार मासिक व्यय की समय सारिणी बनाकर ही आहरण किया जायेगा। आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जायेगी।
5. धनराशि का किसी भी दशा में व्ययवर्तन नहीं किया जायेगा। धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे।
6. धनराशि का आहरण की परिव्यय की सीमान्तर्गत ही किया जाय, किसी भी दशा में धनराशि का आहरण परिव्यय एवं बजट व्यवस्था की सीमा से अधिक नहीं किया जायेगा।
7. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2008-09 उपर्युक्त अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक -2204-खेलकूद तथा युवा सेवायें-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन के अन्तर्गत आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष के विभिन्न मानक मदों के नाम उपरोक्त अंकित सारिणी के विवरणानुसार डाला जायेगा।
8. यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या- 215(P)/XXVII (3)/2008, दिनांक 22 जुलाई 2008 द्वारा प्रदत्त आदेश से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वल्दिया)
उपसचिव

पृष्ठांकन संख्या:- 219 /VI-I/2008-2(15) 2007 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 युवा कल्याण मंत्री उत्तराखण्ड शासन को मा0 मंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित किये जाने हेतु
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय देहरादून।
- 5- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- एन0आई0सी0, देहरादून।
- 7- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार शर्मा)
अनुसचिव